

अब्राहम एकाॅर्ड के तीन वर्ष

यह एडिटरियल 21/09/2023 को 'द हट्टि' में प्रकाशित "Three years of the Abraham Accords" लेख पर आधारित है। इसमें भारतीय संदर्भ में अब्राहम एकाॅर्ड की प्रासंगिकता पर विशेष बल देते हुए उससे जुड़ी उपलब्धियों एवं बाधाओं के बारे में चर्चा की गई है।

प्रलमिस के लयि:

[I2U2](#), [अब्राहम एकाॅर्ड](#), [पश्चिमि एशियाई क्वाड](#), [प्रोस्पेरेटि ग्रीन एंड ब्लू एग्रीमेंट](#), [यमन युद्ध](#)।

मेन्स के लयि:

[भारत से संबंधित और/या भारत के हतियों को प्रभावित करने वाले द्वपिकषीय, कषेत्रीय और वैश्विक समूह एवं समझौते, भारत के हतियों पर देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव, भारतीय प्रवासी](#)।

तीन वर्ष पूर्व सतिंबर, 2020 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और इज़राइल के बीच अब्राहम एकाॅर्ड (Abraham Accord) की मध्यस्थता की थी, जसिमें अरब के खाडी देशों और इज़राइल के बीच संबंधों को सामान्य बनाने का वादा कथिा गया था।

अब्राहम एकाॅर्ड ने न केवल मध्य पूर्व में अधिकि राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा एकीकरण की शुरुआत की, बल्कि भारत के लयि भी बेहतर अवसरों की संभावना उत्पन्न की है।

'अब्राहम एकाॅर्ड' (Abraham Accords):

परचिय:

- [अब्राहम एकाॅर्ड](#) इज़राइल और विभिन्न अरब देशों के बीच वर्ष 2020 में हस्ताक्षरित समझौतों की एक शृंखला है, जो मध्य-पूर्व में राजनयिक संबंधों में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है।
- यहूदियों और अरबों के कथित सामान्य पूर्वज 'अब्राहम' (बाइबलि का अब्राहम या इब्राहीम) और भाईचारे की अभिव्यक्ति के संदर्भ में इन समझौतों को 'अब्राहम एकाॅर्ड' का नाम दयिा गया।

अब्राहम एकाॅर्ड से संलग्न प्राथमिकि देश:

- [इज़राइल](#): समझौते के एक प्रमुख पक्षकार के रूप में इज़राइल ने भागीदार अरब देशों के साथ राजनयिक संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति व्यक्त की, जो विभिन्न अरब देशों के साथ उसके ऐतिहासिक रूप से शत्रुतापूर्ण संबंधों से एक महत्त्वपूर्ण प्रस्थान को चहिनति करता है।
- [संयुक्त अरब अमीरात \(UAE\)](#): संयुक्त अरब अमीरात पहला अरब देश था जसिने औपचारिक रूप से अब्राहम एकाॅर्ड के तहत इज़राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की घोषणा की थी। इस ऐतिहासिक समझौते में पूर्ण राजनयिक संबंधों की स्थापना के साथ-साथ आर्थिक, प्रौद्योगिकीय और सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी शामिल है।
- [बहरीन](#): संयुक्त अरब अमीरात का अनुसरण करते हुए बहरीन ने भी इज़राइल के साथ इसी तरह के एक समझौते पर हस्ताक्षर कथिे हैं। 'बहरीन-इज़राइल शांति समझौते' में राजनयिक संबंध और विभिन्न कषेत्रों में सहयोग जैसे वषिय शामिल हैं।
- [सूडान](#): सूडान भी इज़राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति जितते हुए अब्राहम एकाॅर्ड में शामिल हुआ है। इसने सूडान की विदेश नीति में एक बड़े बदलाव को चहिनति कथिा और इसके प्रभाव में सूडान को आतंकवाद के राज्य प्रायोजकों की अमेरिकी सूची से बाहर कर दयिा गया।
- [मोरक्को](#): एक अन्य अरब राष्ट्र मोरक्को भी इज़राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की प्रतबिद्धता के साथ समझौते में शामिल हुआ। इस समझौते में इज़राइल के साथ मोरक्को की भागीदारी के बदले संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पश्चिमी सहारा पर मोरक्को की संप्रभुता को मान्यता प्रदान की गई।

एकाॅर्ड का महत्त्व:

- यह समझौता दखिाता है कि कसि प्रकार अरब देश धीरे-धीरे स्वयं को फलिसितीन के सवाल से पृथक कर रहे हैं।

- समझौते से इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित होंगे जिसका पूरे क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- इस सौदे से संयुक्त अरब अमीरात को अमेरिका में व्यापक साख प्राप्त हुई है, जहाँ यमन युद्ध में भागीदारी के बाद अमेरिका में उसकी छवि खराब हो गई थी।
- दक्षिण एशिया में, यह पाकिस्तान के लिये एक दुविधा उत्पन्न करता है कविह भी संयुक्त अरब अमीरात का अनुसरण करे (जहाँ फरि इसे फलिसितीन के 'इस्लामी कॉज' को छोड़ने के रूप में देखा जाएगा) या उसका अनुसरण न करे (जहाँ फरि एक अन्य प्रमुख इस्लामी देश संयुक्त अरब अमीरात से उसके संबंध बगिड़ सकते हैं जबकि कश्मीर मामले में साथ न देने के लिये पहले से ही सऊदी अरब के साथ उनके संबंधों में एक गतिरोध उत्पन्न हुआ है)।

अब्राहम एकार्ड के बाद हुई प्रमुख प्रगति:

- जून 2021 में अबू धाबी में इज़राइली दूतावास खोला गया जबकि UAE ने भी तेल अवीव में अपना दूतावास खोला है।
- UAE और इज़राइल के बीच व्यापार 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है। अप्रैल 2022 में सरकारी खरीद और [सौद्धिक संपदा अधिकार \(IPR\)](#) से संबंधित मुक्त व्यापार क्षेत्र के लिये भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
- इज़राइल, UAE और जॉर्डन के बीच त्रिपक्षीय व्यापार जल समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं। इसके तहत, इज़राइल या तो एक नया अलवणीकरण संयंत्र स्थापित करेगा या सदस्य देशों को जल की आपूर्ति करेगा।
- पर्यटन के संबंध में, इज़राइल और UAE के बीच सीधी उड़ान सेवाओं की स्थापना हुई है और समझौते के बाद पहले माह में ही UAE ने 67,000 से अधिक इज़राइली पर्यटकों की मेजबानी की।
- अपने देश की आर्थिक समस्याओं से असंतुष्ट कई इज़राइलियों के लिये संयुक्त अरब अमीरात रोज़गार के एक नए गंतव्य के रूप में भी उभरा है।
- इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन के बीच संपन्न हुए 'प्रॉस्पेरिटी ग्रीन एंड ब्लू एग्रीमेंट' (Prosperity Green & Blue agreement) के तहत तय किया गया कि एक सोलर फ़्रील्ड की स्थापना के साथ इज़राइल को 600 मेगावाट बजिली की आपूर्ति की जाएगी।

अब्राहम एकार्ड की कमियाँ:

- अरबी आयोजकों के प्रारंभिक लक्ष्य के बावजूद, इज़राइल और उसके अरब भागीदारों के बीच का सहयोग इज़राइल-फलिसितीन समीकरण में कोई ठोस सुधार लाने में वफ़िल रहा है।
- मध्य-पूर्व के कई प्रमुख हतिधारक अभी भी समझौते से बाहर हैं, जैसे कि सऊदी अरब ने पहले से मौजूद 'अरब शांति पहल' (Arab Peace Initiative) के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता बनाए रखी है।
- ओमान और क़तर ने इस ढाँचे के भीतर अपने संबंधों को औपचारिक रूप देने से इनकार कर दिया है।

अब्राहम एकार्ड भारतीय हितों से कैसे संबद्ध हैं?

- राजनयिक गठबंधन:
 - अब्राहम एकार्ड एक ऐसे माहौल का नरिमाण करते हैं जहाँ भारत अरब देशों के साथ-साथ इज़राइल के साथ एकसमान स्तर पर अपने संबंधों को सुदृढ़ कर सकता है।
 - अब्राहम एकार्ड के बाद ही [I2U2](#) जैसे गठबंधन का नरिमाण संभव हो सका। इसे अनौपचारिक रूप से 'पश्चिमी एशियाई क्वाड' (West Asian Quad) और 'इंडो-अब्राहमिक कंस्ट्रक्ट' (Indo-Abrahamic construct) के रूप में भी वर्णित किया गया है।
- नविश के अवसर:
 - यह समूह छह पारस्परिक रूप से चिह्नित क्षेत्रों में संयुक्त नविश को प्रोत्साहित करता है, जिसमें खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, अंतरिक्ष, जल और ऊर्जा शामिल हैं।
 - हाल ही में दुबई में 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडो-इज़राइल चैंबर ऑफ कॉमर्स' (IFIICC) की स्थापना की गई है।
- प्रौद्योगिकीय सहयोग:
 - भारत की प्रौद्योगिकीय क्षमताएँ, UAE से प्राप्त वित्त और इज़राइल की नवोन्मेष की क्षमताएँ तीनों देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ा सकती हैं।
 - इन उद्यमों में से पहले उद्यम के तहत रोबोटिक सोलर पैनल के लिये एक अमीराती परियोजना को एक इज़राइली कंपनी 'एकोपिया' (Eccopia) द्वारा समर्थन दिया गया है, जिसका वनरिमाण आधार भारत में अवस्थित है।
- प्रवासी संबंध:
 - जीवंत [भारतीय प्रवासियों](#) को अब संयुक्त अरब अमीरात और इज़राइल के साथ-साथ इज़राइल और बहरीन के बीच सीधी उड़ानों की सुविधा प्राप्त हुई है।
 - भारतीय छात्रों को यात्रा की आसानी प्राप्त हो रही है; वे हमारे विश्वविद्यालयों तक बेहतर पहुँच और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन कार्यक्रमों का पता लगाने के अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

अब्राहम एकार्ड की राह की चुनौतियाँ:

- फलिसितीन का मुद्दा:
 - फलिसितीन के भविष्य से संबंधित चुनौतियाँ और ईरान एवं क़तर की ओर से इन समझौतों का वरिोध एक प्रमुख बाधा है। 86% फलिसितीनियों का मानना है कि संयुक्त अरब अमीरात के साथ सामान्यीकरण समझौता केवल इज़राइल के हितों की पूर्ति करता है, उनके

अपने हतियों की नहीं।

- **क्षेत्रीय समर्थन का अभाव:**
 - **बहरीन**—एक छोटा-सा देश जो सुरक्षा चाहता है और सऊदी अरब से राजनीतिक संकेत ग्रहण करता है, इज़राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की उम्मीद करने वालों के लिये चर्चा का विषय बन गया है।
- **सांस्कृतिक संघर्ष:**
 - भूभाग में **शिया-सुन्नी** दरार व्यापक और हसिक बन सकती है। सऊदी अरब (सुन्नी) और ईरान (शिया) के बीच शतरुता का लंबा इतिहास रहा है।
- **बहुपक्षीय सत्ता संघर्ष:**
 - मध्य-पूर्व में **अमेरिका** एक प्रमुख शक्ति की हैसियत प्राप्त कर सकता है, लेकिन रूस ने बहुत कम धन खर्च करके भी अपने लिये एक जगह बना रखी है। हाल के वर्षों में चीन ने भी इस भू-भाग में एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की है और वह संयुक्त अरब अमीरात एवं इज़राइल दोनों से नफिटा रखता है, जबकि सऊदी अरब के साथ भी तेज़ी से नफिटा बढ़ा रहा है।
- **वित्तपोषण संबंधी बाधाएँ:**
 - अब्राहम एकोर्ड के एक अंग के रूप में **'अब्राहम फंड'** स्थापित किया गया था और इसने मध्य-पूर्व में विकास पहलों के लिये लगभग **3 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का प्रावधान किया था। अमेरिका में प्रशासन के बदलाव ने इस समझौते की क्षमता को कमज़ोर कर दिया है।

आगे की राह:

- **खुला संवाद:**
 - इज़राइल और अन्य भागीदार देशों सहित सभी हस्ताक्षरकर्ता पक्षकारों के बीच खुले एवं समावेशी संवाद के माध्यम से **फिलिस्तीन** के मुद्दे को संबोधित किया जाना चाहिये।
 - मध्य-पूर्व में, विशेष रूप से यमन, सीरिया और लीबिया में क्षेत्रीय संघर्षों के लिये **राजनयिक समाधान** को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
- **अतविाद से मुकाबला:**
 - **अलगाववादी आंदोलनों** के लिये भूमि एवं संसाधनों का उपयोग करने और पड़ोसी देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने से बचने की आवश्यकता है।
 - अतविादी विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिये खुफिया जानकारी की साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।
- **बहुपक्षीय कूटनीति:**
 - संयुक्त राष्ट्र, अरब लीग और अन्य समूहों के माध्यम से **बहुपक्षीय कूटनीति** में संलग्न रहना जारी रखा जाए।
- **क्षेत्रीय संबंधों को संतुलित करना:**
 - शिया और सुन्नी (ईरान और अरब) के बीच संतुलन बनाये रखना स्थायी शांति की कुंजी है।
- **क्षेत्रीय सहयोग:**
 - आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाए।

नभिकर्ष:

यद्यपि यह स्पष्ट है कि अब्राहम एकोर्ड के साथ घनिष्ठ इज़राइल-अरब संबंधों के लिये एक अच्छी शुरुआत की गई है, इनकी सफलता और अन्य देशों में इनका विस्तार उन विभिन्न कारकों—जैसे अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता और पश्चिम एशिया की संरक्षण एवं पुनर्संरक्षण की राजनीति—पर निर्भर करेगा जो वर्तमान में भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित कर रहे हैं।

अभ्यास प्रश्न: अब्राहम एकोर्ड की सफलता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। भारत के लिये अब्राहम एकोर्ड के आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक महत्त्व पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[?/?/?/?/?/?/?/?/?/?]:

प्रश्न. 'गोलन हाइट्स' के नाम में जाना जाने वाला क्षेत्र नमिनलखिति में से किससे संबंधित घटनाओं के संदर्भ में यदा-कदा समाचारों में दिखाई देता है? (2015)

- (a) मध्य एशिया
- (b) मध्य-पूर्व
- (c) दक्षिण-पूर्व एशिया
- (d) मध्य अफ्रीका

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. “भारत के इज़रायल के साथ संबंधों ने हाल ही में एक ऐसी गहराई और वविधिता हासलि की है, जसिकी पुनर्वापसी नहीं की जा सकती है।” वविचना कीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/three-years-of-the-abraham-accords>

